



आरबीआई ने रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर रखा बरकरार : संजय मल्होत्रा

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी ग्रोथ 6.6 फीसदी रहने का जताया अनुमान

नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में रेपो रेट में बदलाव नहीं किया है। आरबीआई ने इसे 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा है। इससे होम और कार लोन महंगे नहीं होंगे तथा ईएमआई नहीं बढ़ेगी।

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुरूवार को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की 3 दिवसीय द्विमासिक समीक्षा बैठक के बाद इस फैसले की घोषणा की। मल्होत्रा ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति ने तटस्थ रुख को बरकरार रखते हुए चालू वित्त वर्ष की दूसरी मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दर रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर यथावत रखा। साथ ही चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.6 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। मल्होत्रा ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच हमें भरोसा है कि हम चुनौतियों से परा पाते हुए और मजबूती से उभर कर निकलेंगे। उन्होंने कहा, 'इस साल के लिए रियल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ग्रोथ का अनुमान अब 6.6 फीसदी

है। पहले हमने 6.9 फीसदी का अनुमान लगाया था। उन्होंने कहा कि मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही के लिए 6.6 फीसदी, दूसरे के लिए 6.3 फीसदी, तीसरे के लिए 6.5 फीसदी और चौथे के लिए 6.8 फीसदी का अनुमान है।

हर दो महीने में एमपीसी की बैठक

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) में छह सदस्य होते हैं। इनमें से तीन रिजर्व बैंक के होते हैं, जबकि बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। रिजर्व बैंक की हर दो महीने में मौद्रिक समीक्षा की बैठक होती है। वित्त वर्ष 2026-27 में मौद्रिक समीक्षा समिति की कुल 6 बैठकें होंगी, पहली बैठक 6-8 अप्रैल, 2026 को

हुई थी।
क्या होता है रेपो रेट

आरबीआई जिस ब्याज दर पर बैंकों को लोन देता है, उसे रेपो रेट कहते हैं। रेपो रेट कम होने से बैंक को कम ब्याज पर लोन मिलेगा। बैंकों को लोन सस्ता मिलता है, तो वो अक्सर इसका फायदा ग्राहकों को पास कर देते हैं यानी बैंक भी अपनी ब्याज दरें घटा देते हैं। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने अप्रैल महीने में एमपीसी की समीक्षा बैठक में सर्वसम्मति से तटस्थ रुख अपनाने हुए रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा था। रिजर्व बैंक ने आखिरी बार दिसंबर 2025 में नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर 5.25 फीसदी की थी।

न्यूज़ ब्रीफ

दो नई एसयूवी पेश करने की तैयारी में टोयोटा



नई दिल्ली। जापानी वाहन निर्माता टोयोटा जल्द ही अपने ग्राहकों के लिए दो नई और आकर्षक एसयूवी पेश करने की तैयारी में है। हाल ही में इन दोनों गाड़ियों की परीक्षण के दौरान ली गई तस्वीरें सामने आने के बाद वाहन प्रेमियों में काफी उत्सुकता देखी जा रही है। इन गाड़ियों में एक लोकप्रिय अर्बन क्रूजर हाइराइडर का सात सीटों वाला संस्करण होगा, वहीं दूसरी और प्रतिष्ठित फोर्च्यूनर की नई पीढ़ी भारतीय सड़कों पर उतरने को तैयार है। टोयोटा अपनी सफल अर्बन क्रूजर हाइराइडर को अब बड़े परिवारों की जरूरतों के अनुरूप सात सीटों वाले रूप में पेश करने की योजना पर काम कर रही है, जिसके इस वर्ष के त्योहारी मौसम तक बाजार में आने की संभावना है। परीक्षण मोडलों से संकेत मिले हैं कि नई गाड़ी का पिछला हिस्सा अधिक लंबा होगा ताकि अतिरिक्त सीटों के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो सके। यह मोडल डेड लीटर पेट्रोल इंजन के साथ उन्नत मिश्रित ऊर्जा प्रणाली में उपलब्ध होगा, जिसमें कुछ संस्करणों में चारों पहियों को शक्ति पहुंचाने वाली व्यवस्था भी मिल सकती है। इसकी कीमत लगभग 16 लाख रुपये से 24 लाख रुपये तक जा सकती है। वहीं, टोयोटा फोर्च्यूनर की नई पीढ़ी वैश्विक स्तर पर अगले वर्ष मध्य तक प्रस्तुत हो सकती है, जबकि भारतीय बाजार में इसकी शुरुआत वर्ष के अंतिम महीने में होने की उम्मीद है। नई फोर्च्यूनर को पहले से अधिक आधुनिक, आकर्षक और तकनीक से भरपूर बनाया जाएगा। इसमें सामने की और नई प्रकाश व्यवस्था, बड़ी जालीदार ग्रिल और नया बंपर देखने को मिल सकता है।

माल दुलाई के लिए टाटा और आयशर के ट्रक हो सकते हैं बेहतरीन विकल्प



नई दिल्ली। भारत में वर्तमान में माल दुलाई की मांग में बढ़ोतरी और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की तेज रफ्तार के कारण ट्रक परिवहन व्यवसाय में सकारात्मक माहौल बना हुआ है। भारी माल दुलाई और लंबी दूरी के लिए भारतीय बाजार में टाटा और आयशर के ट्रक सबसे बेहतरीन विकल्पों में से एक माने जाते हैं, जो चालकों को आरामदायक यात्रा और बेहतर सुरक्षा प्रदान करते हैं। बेहतर सड़क नेटवर्क, नए एक्सप्रेसवे और बढ़ती औद्योगिक गतिविधियों के कारण आने वाले महीने में ट्रक परिवहन क्षेत्र और मजबूत हो सकता है। इससे देश की सप्लाई चेन को मजबूती मिलेगी और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। बाजार में उपलब्ध कुछ प्रमुख विकल्पों पर नजर डालते हैं— भारी माल दुलाई के लिए टाटा प्रीमा 5530.रू, टाटा सिग्मा 5530.रू, अशोक लीलैंड 5525, भारत बेंज 5532टी और आयशर प्रो 6048 जैसे मोडल उत्कृष्ट माने जाते हैं। मध्यम श्रेणी के परिवहन के लिए टाटा अल्ट्रा टी.16, अशोक लीलैंड इकोमेट 1615, आयशर प्रो 2114एक्सपी और भारत बेंज 1617 आर जैसे ट्रक विश्वसनीय साबित होते हैं। वहीं, छोटे वाणिज्यिक ट्रकों की श्रेणी में टाटा 407 गोल्ड एक्सप्रेस, टाटा इन्ट्रा वी70, महिंद्रा फ्यूरीओ 7 और अशोक लीलैंड दोस्त प्लस शहरी और आवागमन के क्षेत्रों में माल परिवहन के लिए काफी लोकप्रिय हैं।

सुरक्षा खामियों के चलते मर्सिडीज-बेंज ने रिटोल की 99 इलेक्ट्रिक गाड़ियां

नई दिल्ली। अपनी उच्च श्रेणी की बैटरी चालित स्पोर्ट्स उपयोगी वाहन के 99 यूनिट्स को मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने वापस बुलाने का निर्णय लिया है। कंपनी ने यह कदम एक संभावित सुरक्षा खामी के चलते उठाया है। इन वाहनों के पहियों को सुरक्षित करने वाले बोल्ट निर्धारित सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं पाए गए हैं। इस तकनीकी गड़बड़ी से चलती गाड़ी में पहिया ढीला होने का खतरा है, विशेषकर तेज गति पर, जिससे गंभीर सड़क दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। कंपनी ने उन विशिष्ट वाहनों की पहचान कर ली है, जिनका निर्माण जुलाई 2024 और अगस्त 2025 के बीच हुआ था, और उससे संबंधित मालिकों से संबंधित साधना शुरू कर दिया है। वाहन सुरक्षा विशेषज्ञों ने बताया कि पहियों की मजबूती वाहन की स्थिरता और नियंत्रण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, और ऐसे में किसी भी ढीलेपन से ड्राइविंग सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है। हालांकि, वाहन उद्योग में निर्माता कंपनियों द्वारा सुरक्षा कारणों से गाड़ियां वापस बुलाना असामान्य नहीं है, क्योंकि वे छोटी से छोटी तकनीकी खामियों को भी गंभीरता से लेते हैं ताकि भविष्य में होने वाले बड़े हादसों को रोका जा सके। लजरी सेगमेंट में आने वाली यह बैटरी चालित स्पोर्ट्स उपयोगी वाहन देश के सबसे महंगे मोडलों में से एक है, जिसकी शुरुआती कीमत लगभग 3.10 करोड़ रुपये है।

फ्लिपकार्ट का नया दाव, अब भुगतान से होगी बंपर कमाई, आईपीओ से पहले मुनाफे और मार्जिन पर नजर

नई दिल्ली

देश का सबसे बड़ा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट अपने संभावित आरंभिक सार्वजनिक पेशावर (आईपीओ) से पहले एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव के तहत भुगतान और वित्तीय सेवाओं पर अपना जोर बढ़ा रहा है। वालमार्ट के स्वामित्व वाली यह कंपनी राजस्व के नए स्रोतों और बेहतर मार्जिन की तलाश में है, जिसके लिए वह भुगतान सफलता दरों में सुधार और व्यापक लॉयल्टी कार्यक्रमों के विस्तार पर दाव लगा रही है। यह कदम एक परिपक्व उपभोक्ता इंटरनेट कारोबार के सामने आने वाले दबावों के बीच दोहरी जरूरत को दर्शाता है।

राजस्व वृद्धि का नया समीकरण फ्लिपकार्ट में पेमेंट्स और सुपरकोइड्स के उपाध्यक्ष गौरव अरोड़ा के अनुसार भुगतान अब कंपनी की वृद्धि के शीर्ष तीन या चार संचालकों में से एक बन गया है। भुगतान पूरा होने की दरों में हर एक प्रतिशत की बढ़ोतरी से सीधे तौर पर राजस्व वृद्धि भी उतनी ही बढ़ जाती है। कंपनी बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण जैसी तकनीकों के माध्यम से भुगतान अनुभवों को बेहतर बनाकर राजस्व बढ़ाने और लागत घटाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। भारत का सबसे बड़ा लॉयल्टी तंत्र बनाने की तैयारी फ्लिपकार्ट अपने सुपरकोइड्स लॉयल्टी कार्यक्रम को भी व्यापक बना रहा है। अरोड़ा इसे फ्लिपकार्ट के अपने प्लेटफॉर्म से आगे राइड-हैलिंग, विमानन और अन्य ज्यादा इस्तेमाल वाली श्रेणियों तक ले जाने पर काम कर रहे हैं। लक्ष्य भारत का सबसे बड़ा लॉयल्टी तंत्र बनाना है, जिससे उपभोक्ताओं के लिए एक एकीकृत और आकर्षक रिचर्ड-इकोसिस्टम तैयार हो सके। घटा घाटा, मजबूत हुई राजस्व वृद्धि आईपीओ से पहले कंपनी की वित्तीय सेहत भी मजबूत दिख रही है।

फ्लिपकार्ट इंटरनेट ने वित्त वर्ष 2025 में 20,493



बिक्री के मामले में मारुति रही नंबर-1, टाटा दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली। बिक्री के मामले में मारुति सुजुकी ने एक बार फिर देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी का स्थान बरकरार रखा, जबकि टाटा मोटर्स ने लंबी छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल कर लिया। उधर कार निर्माता स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने भी मजबूत प्रदर्शन करते हुए हुंडई को पीछे छोड़ दिया। शीर्ष छह कंपनियों की सूची में टोयोटा और किआ भी शामिल रही। मई 2026 में मारुति सुजुकी ने 1.90 लाख से अधिक वाहनों की बिक्री की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत अधिक रही। कंपनी को सबसे ज्यादा 54 हजार से अधिक अतिरिक्त वाहनों की बिक्री का लाभ मिला। टाटा मोटर्स ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए 59 हजार से ज्यादा यूनिट्स की बिक्री दर्ज की और 42 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि हासिल की। महिंद्रा की बिक्री 58 हजार से अधिक रही, जिससे कंपनी को करीब 11 प्रतिशत की वृद्धि मिली। हुंडई ने भी सकारात्मक वृद्धि दर्ज की, हालांकि उसकी बिक्री महिंद्रा से कम रही। कंपनी ने लगभग 48 हजार वाहन बेचे और नौ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हासिल की। वहीं, टोयोटा और किआ ने भी क्रमशः 30 हजार और 27 हजार से अधिक वाहनों की बिक्री कर मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। मासिक आधार पर भी अधिकांश कंपनियों की बिक्री में बढ़ोतरी देखने को मिली।

करोड़ रुपये का राजस्व कमाया, जो पिछले साल के मुकाबले 14 प्रतिशत अधिक है। नियामक सूचना के मुताबिक, शुद्ध घाटा भी 37 प्रतिशत कम होकर 1,494 करोड़ रुपये रह गया है, जो कंपनी की दक्षता और लाभप्रदता की ओर बढ़ते कदम को दर्शाता है। फ्लिपकार्ट की कायम वादशाहत आईसीआईसीआई सिक्विरोटिज की रिपोर्ट के अनुसार, देश का ई-कॉमर्स

बाजार वित्त वर्ष 2030 तक लगभग तीन गुना बढ़कर 174 अरब डॉलर से 214 अरब डॉलर के बीच पहुंचने का अनुमान है, जबकि वित्त वर्ष 2025 में यह लगभग 70 अरब डॉलर था। इस विशाल बाजार में, फ्लिपकार्ट की अनुमानित हिस्सेदारी 50 से 60 प्रतिशत है और वह 22 करोड़ से 24 करोड़ मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं के साथ बाजार में अग्रणी बनी हुई है।

नई एडवेंचर टूरर बाइक एनएक्स 500 ई-व्लच लौंच



नई दिल्ली। भारतीय बाजार में होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अपनी नई एडवेंचर टूरर बाइक एनएक्स 500 ई-व्लच लौंच कर दी है। नई बाइक की सबसे बड़ी खासियत इसकी ई-व्लच तकनीक है, जिससे गियर बदलने के लिए बार-बार वलच दबाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। कंपनी ने इसकी एक्स-शोरूम कीमत 7.44 लाख रुपये निर्धारित की है। कंपनी द्वारा विकसित ई-व्लच तकनीक में इलेक्ट्रॉनिक एक्च्यूटर्स का उपयोग किया गया है, जो गियर शिफ्टिंग और बाइक को रोने या चलाने के दौरान वलच का संचालन स्वतः करते हैं। हालांकि जरूरत पड़ने पर चालक मैनुअल तरीके से भी वलच का उपयोग कर सकता है। इस तकनीक के कारण बाइक के वजन में केवल तीन किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई है और इसका कुल वजन 199 किलोग्राम हो गया है। नई एनएक्स 500 ई-व्लच पुराने मोडल की तुलना में 1.11 लाख रुपये महंगी है। बाजार में इसका मुकाबला बीएमडब्ल्यू एफ 450 जीएस टॉपी और कावासाकी वर्सिस 650 जैसी प्रीमियम एडवेंचर बाइकों से होगा। कंपनी का दावा है कि यह बाइक कम रखरखाव लागत और भरोसेमंद प्रदर्शन के लिए जानी जाएगी।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। दूसरी ओर, डाउ जोन्स फ्यूचर्स फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान गिरावट होती रही। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान उतार चढ़ाव के बीच मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 874.86 अंक यानी 1.73 प्रतिशत की उछाल के साथ 51,561.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,584.31 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, नैस्डैक 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 26,830.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ



जौंस फ्यूचर्स फिलहाल 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 51,518.68 अंक के स्तर पर

कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,360.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसई इंडेक्स ने 93.87 अंक यानी 1.14 प्रतिशत उछाल कर 8,244.29 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएफएस इंडेक्स 149.01 अंक यानी 0.60 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 24,944.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में लगातार दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मजबूती के साथ हर निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,075.31 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफटी 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,505.50 अंक के स्तर पर

कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्टूड्स टाइम्स इंडेक्स 0.28 प्रतिशत टूट कर 5,053.36 अंक के स्तर पर आ गया है। कोसी इंडेक्स में जबर्दस्त गिरावट का रुख बना हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 383.78 अंक यानी 4.44 प्रतिशत लुढ़क कर 8,255.63 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 128.75 अंक यानी 2.20 प्रतिशत फिसल कर 5,711.04 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 1,050.69 अंक यानी 1.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 66,420 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 432.30 अंक यानी 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ 45,245.16 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 206.40 अंक यानी 0.82 प्रतिशत टूट कर 25,047 अंक के स्तर पर और सेंट कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत घट कर 1,593.76 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

भारत को अमेरिकी शुल्क से बचने 24 जुलाई से पहले करना होगा व्यापार समझौता



नई दिल्ली

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) कार्यालय ने भारत, चीन, वियतनाम और ब्रिटेन सहित कुल 56 देशों पर 12.5 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव किया है। यह कदम एक विस्तृत जांच के निष्कर्षों के बाद उठाया गया है, जिसमें इन देशों पर तीसरे देशों से बंधुआ श्रमिकों द्वारा बनाए गए सामान के आयात को रोकने के लिए पर्याप्त कदम न उठाने का आरोप है। हालांकि, यह शुल्क तत्काल प्रभावी नहीं होगा, क्योंकि अमेरिका ने इस प्रस्तावित कार्रवाई पर 6 जुलाई तक जनता से राय मांगी है, जिसके बाद 7 जुलाई को इस मामले पर सुनवाई की जाएगी।

यूएसटीआर की जांच रिपोर्ट में विशेष रूप से भारत की नीतियों और प्रथाओं का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि वे जबर्न या बंधुआ मजदूरी से बने आयात पर प्रतिबंध लगाने में विफल रही हैं, जो अनुचित हैं और अमेरिकी व्यापार को बाधित करती हैं। हालांकि एरिपोर्ट के अनुसार अमेरिका भारत को यह भरोसा दे सकता है कि यदि दोनों पक्ष 24 जुलाई से पहले (जब मौजूदा 10 फीसदी का मूल शुल्क समाप्त हो रहा है) एक अंतरिम व्यापार समझौता कर लेते हैं, तो वह धारा 301 के तहत कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगाएगा। यह प्रस्ताव 1974 के व्यापार कानून के सेक्शन 301 के

यूएसटीआर की रिपोर्ट में भारत की नीतियों पर सवाल, पाकिस्तान समेत 6 अन्य को कम शुल्क का फायदा
बंधुआ मजदूरी विवाद: अमेरिका ने भारत समेत 56 देशों पर 12.5 फीसदी अतिरिक्त शुल्क का प्रस्ताव किया

तहत 60 अर्थव्यवस्थाओं के खिलाफ की गई जांच का परिणाम है, जिसमें से आयात अमेरिका के कुल आयात का 99.4 फीसदी है। इसके अतिरिक्त यूएसटीआर ने पाकिस्तान, इंडोनेशिया, मेक्सिको, कनाडा, इक्वाडोर और यूरोपीय संघ सहित छह अन्य अर्थव्यवस्थाओं पर 10 फीसदी की कम दर से अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव दिया है। इन देशों को तीसरे देशों से बंधुआ मजदूरी से बने सामान के आयात को रोकने के लिए आंशिक व्यवस्था लागू करने का श्रेय दिया गया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने कुछ चुनिंदा अर्थव्यवस्थाओं से निश्चित मात्रा में कपड़ा और परिधान उत्पादों के आयात के लिए कम शुल्क दरों वाली एक विशेष व्यवस्था का प्रस्ताव भी किया है, जिसका विवरण अभी जारी नहीं किया गया है।

सर्साफा बाजार में सोने के भाव में मामूली गिरावट चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

शेरेलु सर्साफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में शुरुआती कारोबार के दौरान ये चमकौली धातु 100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सरती हो गई है। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत में शुरुआती कारोबार के दौरान 200 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 210 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है।

भाव में आई गिरावट के कारण देश के सर्साफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,57,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,43,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकौली धातु दिल्ली सर्साफा बाजार में भी 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,56,250 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक



राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,57,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,790 रुपये प्रति 10

ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। जोधपुर में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,56,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।